

DPN 6114

Title : प्रत्यंगिरा PRATYANGIRĀ

Run. No. 6805

Cat. No.

Micro. No.

Subject Dharaṇī

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 26 X 7.5

Folios 14 Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl. ✓

(27-40)
Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor विश्वरत्नवज्राचार्य / फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS 1014

Ruler / place Viśwa Ratna Bajracharya

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Phanindra Ratna Bajracharya

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

□ ▲
ॐ आर्य्य सर्वतथागत ऋषीष सितातपत्रा तामा पराजिता महाप्रत्यंगिरा महाविद्या राज्ञी परिसमाप्तं ॥

P. T. O.

△ लिखितं भुवावाहारया वर्जचार्यं विश्वरत्नं च पुष्कलं चोया जुलो.
सुतातं लोभ पाप माय मद जुल ॥ शुभं ॥

प्रत्यंगिरा

मङ्गलं रगावन्मूढासंवहस्य का नागादिमानिमन्त्रययानि निश्चनक्तिस्म ॥ ॐ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि
निराधवूहाकिरुक्कल्यायुगथागताया ॥ हन्तं संम्यक् वृद्धाय ॥ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि ॥ ॐ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि
गिरिकल्यायुगथागताया ॥ हन्तं संम्यक् वृद्धाय ॥ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि ॥ ॐ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि
वृद्धाय ॥ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि ॥ ॐ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि ॥ ॐ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि
वन्मूढावन्मिन्त्रययानि ॥ ॐ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि ॥ ॐ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि ॥ ॐ नमो रगावन्मूढावन्मिन्त्रययानि

मप्रकासशीलजानिरासायनथागगायाऽहं संम्यक् वृद्धाय ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत
 थागगायाऽहं संम्यक् वृद्धाय ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत
 ॥ पतिं ॥ ३१
 ॥ उं नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥
 नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥
 दधानां वृद्धानां रुगवरां प्रमुखं कृत्वा नमस्कृत्वा मा वरुण्ये न ॥ उं नमा वृद्धाय ॥ उं नमा धर्माय ॥ उं नमा संघाय ॥

उं नमा सफानां संम्यक् वृद्धकाटिनिनां ॥ नमो मूर्खीयप्रमुखानां वाधिसत्त्वानां महासत्त्वानां सत्प्रवक
 संघानां नमो लोकाऽहं नानां नमो ॥ अनापन्नानां नमो ॥ संकटागमिनां नमो ॥ लोकासम्पन्नानां नमो
 सम्यक्प्रपन्नानां नमो ॥ देवदयानां सापानूग्रहसमथानां नमो ॥ सिद्धिविधाधनानां नमो ॥ देववंशाय न
 मां ॥ नमो ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥
 नमस्कृताय ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥ नमारुगवरवद्भविविधमजात्राजानीतिराभायत ॥

॥ यति ॥

२८

माख्या नमस्कृत्याय ॥ नमो रूगवर कथग ककुलस्य ॥ नमो रूगवर पञ्चकुलस्य ॥ नमो रूगवर वर्जकुलस्य
 नमो रूगवर जलकुलस्य ॥ नमो रूगवर सक्षिकुलस्य ॥ नमो रूगवर नाजकुलस्य ॥ नमो रूगवर कुमाल
 कुलस्य ॥ नमो रूगवर रुद्रस्य सनप्रहृननाजाय कथग गोया ॥ हे नमो रूगवर ॥ नमो रूगवर
 अमिताय कथग गोया ॥ हे नमो रूगवर ॥ नमो रूगवर मुक्ताय कथग गोया ॥ हे नमो रूगवर ॥ नमो रूगवर
 शाय ॥ नमो रूगवर रुषय गुर्वेदुय्यपुनाजाय कथग गोया ॥ हे नमो रूगवर ॥ नमो रूगवर सुपुष्पि

ननुनाजाय कथग गोया ॥ हे नमो रूगवर ॥ नमो रूगवर नलक रुनाजाय कथग गोया ॥ हे नमो रूगवर ॥ नमो रूगवर
 य ॥ नमो रूगवर समरुदाय कथग गोया ॥ हे नमो रूगवर ॥ नमो रूगवर वेलाचनाय कथग गोया ॥ हे
 नमो रूगवर ॥ नमो रूगवर विकमिनयनात्पलगन्धक रुनाजाय कथग गोया ॥ हे नमो रूगवर ॥ नमो रूगवर
 नमो रूगवर गभकमूनय कथग गोया ॥ हे नमो रूगवर ॥ ॥ अथानमस्कृत्वा रूगवर कथग
 गाउल्लीषणिगारुपणनामापनाजिनामहाप्रत्यभिना सर्वकलिकलहविग्रहविवादाय समती सर्वभूतवि

॥ पुनि ॥

यह कनी पनविशकुदनी. सर्वाकालमूरुनिवाननी सर्ववन्धनमाकनी. सर्वइष्टसत्त्वनिवाननी. सर्वनिगउरु
 जनी. सर्वयक्रसयहासाविधंसनकनी. चतुभीनीनांगुहानाविधंसनकनी. अष्टविगानीनांनक्रानांप्रसा
 दनकनी. अष्टानांमहाग्रहानांविधंसनकनी. सर्वभक्तनिवाननी. धानइष्टइष्टप्रनिवाननी. सर्वविगभक्त
 शिउदकारकनी. अयनाजिनामहाधाना. महावल. महावधू. महादिफामहारजा. महारथना. कालाम
 सुतवागिनी. आर्यनानारु. कूटीचिव. जयामालेनिविशना. यमाककवजचिह्नच. मालाचिवपनाजिना

२९

वज्रकुलीविभागाक्षी. गानर्वेदहृपूजिना. सोमनूपामहारथनामहारजा. कालाचैवापलाजिना. वर्जस
 खनाचिव. वज्रकोमालीकूनवनी. वज्रहस्तचविशकाकनमानिका. कस्तूरानलाचैवा. वेलाचनकुलाक्षी
 षविश्रुता. विहस्तमानाचवज्रकनकप्रणालाचना. वज्रकुलीचखनाचकमलाक्षी मभीप्रता. श्रीवृद्धला
 चनावर्ज. सूर्यप्रणचंद्राकथजवधनासिव. ॐ ह्यरुमृदामरुगलममसर्वसत्त्वानाचनकां कवेरु
 स्वाहा. ॥ उद्वैषिगलप्रस्तुगवर्ग. कथागगाउग्रिषसिनाकपशनामापनाजिनामहाप्रत्यगीना.

ॐ

॥ वृत्ति ॥

उं हं जं रं न क नी ॥ उं हं डं स म न क नी ॥ उं हं डं मा ह न क नी ॥ उं हं डं महा वि श्या म क रु न क नी ॥ उं हं डं सर्व स त्वा
 नां स म न क नी ॥ उं हं डं श्या सर्व य क ना क स ग्र हा त्मा वि धं स न क नी ॥ उं हं डं च तु ना गि कि य हा त्मा वि धं स न क
 नी ॥ उं हं डं श्या अ य वि भा कि नां न क रु श त्मा प्र सा द न क नी ॥ उं हं डं श्या अ य नां महा त्मा वि धं स न क नी ॥ उं हं डं
 श्या म म सर्व स त्वा नां च न क रु २ मां च स्वा हा ॥ सर्व क था ग ना उ क्री ष सि ना क य न महा व जा क्री ष महा प्र त्यं मि
 ना महा सह सु रु ज महा सह सु रु ज महा सह सु शी ष का टी नी ग क सह सु न रु अ रु अ व लि ग ट का न महा व

३०

जा द न कि रु व न म धु ल ॥ उं स्व स्ति रु व रु म म सर्व स त्वा नां च न क रु २ मां स्वा हा ॥ ॥ ना रु रु या रु चो न रु
 या रु अ नी रु या रु उ दं क रु या रु वि ष रु या रु म रु रु या रु प न च क रु या रु इ रि रु रु या रु अ नि रु या
 रु अ ग नि रु या रु अ का न म रु रु रु या रु ध न धी कं प रु या रु ना रु रु या रु ना ग द रु रु या रु वि रु रु रु या रु
 रु प धि रु या रु च द्वा म रु रु या रु ॥ दे व ग्र हा रु ना ग ग्र हा रु अ रु रु ग्र हा रु म न रु ग्र हा रु ग न रु ग्र हा रु
 ग न्ध व ग्र हा रु कि न न ग्र हा रु महा न ग ग्र हा रु य रु ग्र हा रु ना रु स ग्र हा रु रु रु ग्र हा रु प्र रु ग्र हा रु पि ग्ना थ

॥ ३१ ॥
 गृह्यहस्त. कृष्णधुगृह्यहस्त. धूम्रगृह्यहस्त. कटपूरुगृह्यहस्त. स्कंदगृह्यहस्त. उत्साद्यहस्त. श्रुत्यागृह्यहस्त. अथसामगृह्यहस्त.
 ॥ ३२ ॥
 ॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥
 ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥
 ॥ ३७ ॥
 ॥ ३८ ॥
 ॥ ३९ ॥
 ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥
 ॥ ४३ ॥
 ॥ ४४ ॥
 ॥ ४५ ॥
 ॥ ४६ ॥
 ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥
 ॥ ४९ ॥
 ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥
 ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥
 ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥
 ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥
 ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥
 ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥
 ॥ ६४ ॥
 ॥ ६५ ॥
 ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥
 ॥ ६८ ॥
 ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥
 ॥ ७२ ॥
 ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥
 ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥
 ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥
 ॥ ८२ ॥
 ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥
 ॥ ८५ ॥
 ॥ ८६ ॥
 ॥ ८७ ॥
 ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥
 ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥
 ॥ ९३ ॥
 ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥
 ॥ ९६ ॥
 ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥
 ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥

॥ १०१ ॥
 ॥ १०२ ॥
 ॥ १०३ ॥
 ॥ १०४ ॥
 ॥ १०५ ॥
 ॥ १०६ ॥
 ॥ १०७ ॥
 ॥ १०८ ॥
 ॥ १०९ ॥
 ॥ ११० ॥
 ॥ १११ ॥
 ॥ ११२ ॥
 ॥ ११३ ॥
 ॥ ११४ ॥
 ॥ ११५ ॥
 ॥ ११६ ॥
 ॥ ११७ ॥
 ॥ ११८ ॥
 ॥ ११९ ॥
 ॥ १२० ॥
 ॥ १२१ ॥
 ॥ १२२ ॥
 ॥ १२३ ॥
 ॥ १२४ ॥
 ॥ १२५ ॥
 ॥ १२६ ॥
 ॥ १२७ ॥
 ॥ १२८ ॥
 ॥ १२९ ॥
 ॥ १३० ॥
 ॥ १३१ ॥
 ॥ १३२ ॥
 ॥ १३३ ॥
 ॥ १३४ ॥
 ॥ १३५ ॥
 ॥ १३६ ॥
 ॥ १३७ ॥
 ॥ १३८ ॥
 ॥ १३९ ॥
 ॥ १४० ॥
 ॥ १४१ ॥
 ॥ १४२ ॥
 ॥ १४३ ॥
 ॥ १४४ ॥
 ॥ १४५ ॥
 ॥ १४६ ॥
 ॥ १४७ ॥
 ॥ १४८ ॥
 ॥ १४९ ॥
 ॥ १५० ॥
 ॥ १५१ ॥
 ॥ १५२ ॥
 ॥ १५३ ॥
 ॥ १५४ ॥
 ॥ १५५ ॥
 ॥ १५६ ॥
 ॥ १५७ ॥
 ॥ १५८ ॥
 ॥ १५९ ॥
 ॥ १६० ॥
 ॥ १६१ ॥
 ॥ १६२ ॥
 ॥ १६३ ॥
 ॥ १६४ ॥
 ॥ १६५ ॥
 ॥ १६६ ॥
 ॥ १६७ ॥
 ॥ १६८ ॥
 ॥ १६९ ॥
 ॥ १७० ॥
 ॥ १७१ ॥
 ॥ १७२ ॥
 ॥ १७३ ॥
 ॥ १७४ ॥
 ॥ १७५ ॥
 ॥ १७६ ॥
 ॥ १७७ ॥
 ॥ १७८ ॥
 ॥ १७९ ॥
 ॥ १८० ॥
 ॥ १८१ ॥
 ॥ १८२ ॥
 ॥ १८३ ॥
 ॥ १८४ ॥
 ॥ १८५ ॥
 ॥ १८६ ॥
 ॥ १८७ ॥
 ॥ १८८ ॥
 ॥ १८९ ॥
 ॥ १९० ॥
 ॥ १९१ ॥
 ॥ १९२ ॥
 ॥ १९३ ॥
 ॥ १९४ ॥
 ॥ १९५ ॥
 ॥ १९६ ॥
 ॥ १९७ ॥
 ॥ १९८ ॥
 ॥ १९९ ॥
 ॥ २०० ॥

किन्त्यामिवर्जन ॥ मातृगणकृताविद्याद्विन्द्यामिकिल्यामिवर्जन ॥ चतुर्गुणीकृताविद्याद्विन्द्यामिकी
ल्यामिवर्जन ॥ गत्वगन्तुकृताविद्याद्विन्द्यामिकिन्त्यामिवर्जन ॥ रुयकनसधूकनसर्वाथसाधनकृतावि
द्याद्विन्द्यामिकिन्त्यामिवर्जन ॥ रुमिनीटिनन्दिकश्चनगणपतिरहितनायकृताविद्याद्विन्द्यामिकिन्त्यामिव
र्जन ॥ नत्रयवदकृताविद्याद्विन्द्यामिकील्ल्यामिवर्जन ॥ अहर्नृकृताविद्याद्विन्द्यामिकील्ल्यामिवर्जन ॥ ४ ॥
विरागकृताविद्याद्विन्द्यामिकिल्ल्यामिवर्जन ॥ लाकश्चनस्यनिवानकृताविद्याद्विन्द्यामिकिन्त्यामिव

र्जन ॥ वज्रधनवर्जपादनकृताविद्याद्विन्द्यामिकिल्ल्यामिवर्जन ॥ इन्द्रगुणिवचनीकृताविद्याद्विन्द्यामि
कील्ल्यामिवर्जन ॥ मगधवासिनीकृताविद्याद्विन्द्यामिकील्ल्यामिवर्जन ॥ अनीलकर्मकृताविद्याद्विन्द्यामि
किल्ल्यामिवर्जन ॥ सर्वमहर्षिगणकृताविद्याद्विन्द्यामिकिल्ल्यामिवर्जन ॥ सर्वमहर्षिगणकृताविद्याद्विन्द्या
मिकिन्त्यामिवर्जन ॥ सर्वदेवगणकृताविद्याद्विन्द्यामिकिल्ल्यामिवर्जन ॥ वंशनाकृताविद्याद्विन्द्यामि
कील्ल्यामिवर्जन ॥ सर्वप्रत्यथिकप्रत्युमिगहिरेषिणकृतासिगणपरुमहाप्रत्युमिन्ननमास्तु ॥ अस्मिन्

नलाकप्रसूनिगविकसिगसिगानप्रग॥ उं कल २ यकल २ भक २ दन २ विदन २ चिन्द २ लिन्द २ हं हं रुट् रुट्
 स्वाहा॥ इदयेहं रुट् हाहा रुट् अमाघाय रुट् अप्रनिहनाय रुट् वनदय रुट् वनप्रदाय रुट् अ
 सुनविद्यापलकनाय रुट् यनमनुविद्यापलकनाय रुट् सर्वदेवैरुट् सर्वनागरुट् सर्वय
 रुट् सर्वरुट् सर्वप्रनय रुट् सर्वपिगाय रुट् सर्वकुम्भारुट् सर्वपुन
 रुट् सर्वकदपुनय रुट् सर्वकुम्भारुट् सर्वमोक्षारुट् सर्वकृपाय रुट् सर्वअ

॥ प्रति ॥

३३

पस्मानय रुट् सर्वस्नानकय रुट् सर्वजकिनीय रुट् सर्वनवतिय रुट् सर्वजामिनीय रुट्
 सर्वसकृतीय रुट् सर्वमालिनदीय रुट् सर्वलंबकय रुट् सर्वकटवासिनीय रुट् सर्वगन्धर्वय
 रुट् सर्वगनूय रुट् सर्वकिन्नरय रुट् सर्वमहानगाय रुट् सर्वइल्लिखिकय रुट् सर्व
 इलंधिनय रुट् सर्वसुनय रुट् सर्वइष्युकिनय रुट् सर्वहनय रुट् सर्वरुय रुट् सर्व
 पदवय रुट् सर्वशवनय रुट् विशाचानय रुट् सर्वनिथिकय रुट् सर्वनामकय रुट् स

॥ पुनि ॥

वविशाचनयः रुट्. जयकन. सधुकन. सिद्धिकन. सर्वोथसाधकयः रुट्. वरुगिनीयः रुट्. वज्रकोः
 मानीविशाचनयः रुट्. महाप्रत्योमिन्नयः रुट्. वज्रसंकलायमहाप्रत्योमिनाजाय रुट्. महाकालाय
 रुट्. मारुगहनमस्तुकाय रुट्. वृंमलीय रुट्. मोहधनीय रुट्. वैष्णवीय रुट्. वानोहिय रुट्.
 वृंदायलीय रुट्. वामुजाय रुट्. नोडीय रुट्. महाकालीय रुट्. आश्रय रुट्. योमय रुट्. लेमय
 य रुट्. वानूहिय रुट्. मानीचीय रुट्. सोम्याय रुट्. वृंमनाय रुट्. कालदधिय रुट्. नारीय रुट्. कान

३४

नारीय रुट्. कापालीय रुट्. अधिमूकि ममानवासिनाय रुट्. ॥ ॐ हूं डूं डूं वन्ध २ सर्वदया भंनिवा
 नयनिन २ मम सर्वसत्त्वानाक २ न २ स्वाहा ॥ यकचिन् इष्ट सत्त्वा सर्वसत्त्वानाक. पापचिरा ४ इष्टचिरा ४
 नोडचिरा ४ नोडानोडचिरा ४ कृपिनाकृपिचिरा ४ अमिना अमिचिरा ४ न सर्वसत्त्वानाक २ न २ कर्व
 मम सर्वसत्त्वानाक २ न २ कर्वदुजिवरुवर्षगर्गप २ नुसनदासर्ग ॥ यकचिन् प्रत्यग्रहा ३ अज्ञाना
 गलाहना ४ नूधिहाना ४ वसाहाना ४ मांसाहाना ४ मदाहाना ४ मजाहाना ४ ज्ञानाहाना ४ जिविनाहाना ४ वल्पा

॥ युक्तिं ॥

हाना ॥ माल्याहाना ॥ गन्धाहाना ॥ धूपहाना ॥ पूष्याहाना ॥ रुद्राहाना ॥ गम्याहाना ॥ आहूत्याहाना ॥ धूपहाना ॥
 पूष्याहाना ॥ रुद्राहाना ॥ गम्याहाना ॥ आहूत्याहाना ॥ धूपहाना ॥ विष्णुहाना ॥ मृगहाना ॥ श्वहाहाना ॥ सिंहान
 काहाना ॥ वाराहाना ॥ चिलाहाना ॥ उत्साहाना ॥ श्रद्धाहाना ॥ अश्रुहाना ॥ संप्रदायीकाहाना ॥ ॥ देवग्रहा ३१
 नागग्रहा ॥ अस्त्रग्रहा ॥ मनुग्रहा ॥ गन्धर्वग्रहा ॥ किन्नरग्रहा ॥ महानगग्रहा ॥ य
 क्रग्रहा ॥ नाकग्रहा ॥ रुद्रग्रहा ॥ प्रगग्रहा ॥ पिशाचग्रहा ॥ कुरुग्रहा ॥ पूरुनग्रहा ॥ कटपूरुन

ग्रहा ॥ स्कंदग्रहा ॥ उत्साद्यग्रहा ॥ अयाग्रहा ॥ अपस्मानग्रहा ॥ अस्त्रनकग्रहा ॥ अकिनीग्रहा ॥ नव
 क्रियग्रहा ॥ यामक्रियग्रहा ॥ गकुनीग्रहा ॥ मारुतदीकाग्रहा ॥ अलंदलग्रहा ॥ कटवासिनीग्रहा ॥ ममसर्व
 सत्त्वानां ॥ नकाकुर्वन्नुवर्षगर्गपद्मसुसुनदागर्गं ॥ ॥ कनाग्रकाहिका ॥ द्वेगीयका ॥ उषीयका ॥ वातु
 र्थका ॥ अर्द्धमासिका ॥ मासिका ॥ अर्द्धदेवसिका ॥ मूलसिका ॥ नीत्यकना ॥ विषमकना ॥ रुद्रकना ॥ प्रक
 ना ॥ पिशाचकना ॥ वारिककना ॥ पेलिककना ॥ श्रद्धाकना ॥ सान्निपातिककना ॥ सर्वकना ॥ सिनावरि

॥यति॥

कं० अर्धवर्गदकं० अलावकं० अक्रिनागं० मुखनागं० कक्षनागं० हृदयनागं० गलग्रहं० कर्णगूलं० दन्तगूलं०
 हृदयगूलं० ममगूलं० पादगूलं० उदकगूलं० कटिगूलं० वक्षिगूलं० उन्नंगगूलं० अंगालगूलं० हस्तिगूलं० पादगु
 लं० अंगप्रत्यंगगूलं० सर्वगूलं० चापनयति॥ ॥रुक्म० प्रक० पि० भ० अ० अकिनीकलं० दधुकि० टि० रु० क० य० पि०
 टकं० ल० गा० घा० म० वे० स० य० ना० ह० लि० गी० र० वा० स० शा० स० ग० न० वि० ष० या० ग० अ० त्रि० उ० द० क० मा० न० मा० नि० का० का० ना० न० अ०
 का० न० मृ० रु० शी० व० क० रु० ला० ट० क० वि० श्चि० क० स० प्य० न० क० ल० म० क्कि० क० सि० ङ० व्या० घृ० द० क० अ० रु० न० रु० चा० न० क० य० क०

३३

चि० कि० वि० ना० प० हा० नि० क्ष० ॥ न० रु० षां० सर्व० ग्र० हा० क्षां० म० प० न० य० रु० रु० ग० व० कं० सि० ना० न० प० श० म० हा० क्री० ष० प्र० यं० जि० ना० वि० या० ना०
 जान० ला० व० न० या० व० घा० द० श० था० रु० ना० य० रु० न० क्ष० वि० या० व० न्ध० क० ना० मि० ॥ रु० जा० व० न्ध० क० ना० मि० ॥ अ० प० त्रि० वि० या० व० न्ध० क० ना०
 मि० ॥ गी० मा० व० न्ध० क० ना० मि० प० न० से० न्य० स्तं० क० न० मि० ॥ रु० य० थ० ॥ उ० अ० ल० २० ख० स० म० २० वी० न० २० सो० म्य० २० अ० न० रु० २० वि० ष० द० २०
 वे० न० २० द० वि० व० रु० प० न० रु० व० न्ध० २० व० रु० पा० हि० रु० द् ॥ उ० हूँ० दूँ० व० न्ध० य० २० हूँ० रु० द् स्वा० हा० ॥ ॥ य० ४० रु० मां० सर्व० रु०
 था० ग० रु० क्री० ष० सि० ना० न० प्र० य० ना० मा० प० ना० जि० ना० म० हा० प्र० यं० गी० ना० वि० या० ना० लि० लि० खि० त्वा० रु० रु० प० रु० वा० व० रु० वा०

॥ युक्ति ॥

वत्कलेवा-कायगगांवा-कल्लगगावा-कल्वागृहधनयिष्यन्ति-गन्ननकमिष्यन्ति-गन्ननकमिष्यन्ति-सर्वक
 ल्यकर्ममिष्यन्ति ॥ नाकालमृत्कनाकानं कनिष्यन्ति ॥ सर्वगहात्मसर्वविद्यविनायकानां कपिष्यन्ति ॥
 मनापश्च-चतुर्नाभीतिमहाकल्पसहस्रानि जातिस्मना कृत्वन्ति ॥ चतुर्नाभीतिवज्रकलकाटिनामृग
 कसहस्रादिविद्याद्वगागस्यसगगं-ममसर्वसत्त्वानां कृत्वा वेनल-गुफिकं निष्यन्ति ॥ चतुष्षष्टिवज्रइति
 किंकनगलानिल्यं धनयिष्यन्ति ॥ नकश्चिद्वत्कलानपूरुनत्वं-नकटपूरुनत्वं-नपूरुनत्वं-नपिभचनत्वं

37

नमनूष्यनत्वं-नदन्निडनत्वं-नप्रत्यर्जवासीरुविष्यन्ति ॥ ॥ गंगीनदिवा लूकासमाना मप्रमयां संख्या
 यावृक्षानां रगवन्तं पृथक्कं धनसमन्वागगा रविष्यन्ति ॥ सर्वचरवृक्षारगवन्तामनलकालसमयनऊ
 वनलगुफिकं निष्यन्ति ॥ नमोमपिमचप्रियारुविष्यन्ति ॥ मनापश्च यः ०० मां सर्वगथागगा क्रीषसिता
 कप्रननामापराजिनामहाप्रत्यं मिनाविद्यानाल्लाधनयमानः ॥ अवंकृत्वा नीवंकृत्वा नीरुविष्यन्ति ॥
 जूमीनिमीनिरुविष्यन्ति ॥ अञ्जुचिञ्जुचिरुविष्यन्ति ॥ अनायवासि-उपवासिरुविष्यन्ति ॥ यानिपंचानं

॥ पुनि ॥

तय्यानि. कानि विधुन पाषाण विष्यति ॥ सर्वकमावृण्वानि. नीनदग्गपपनिकयंगचुनि ॥ यः कश्चित्कुलपुत्र
 वा. कुलइहितावा ॥ सारुग्रामपूजाथी ॥ सर्वगथागनाक्रीषसिनाकपुगनामापनाजिता. महाप्रत्येगी
 नाविशानाहिधनयमानः ॥ पूजाथीपूजपनिलरुग. आयुःपुंध्यवलंचप्रनिलरुता ॥ ॥ ॥ नश्चत्वा
 लासुखावयोलाकधुउपपयन ॥ यः कश्चित्सनूयमानवा. रममान. सुमान. सर्व ॥ ॥ पूजपदवापसं
 रमपायास्य. पनचकागमनमृचरुधजायवलापरित्वा. महतासंस्कारन. महनिपूजा कृत्वा सर्वन

३८

गनधानवपुप्रवस्यत ॥ ग्रामनवानिगमवा. ऊनपदेवा. विहानवा. गृहवा. अनूधायननवा. सहप्रव
 नितमागुत. दग्गभानिकृतारुविष्यति ॥ सर्व ॥ ॥ पूजपदवापसं रमपाया सापनचकातिचप्रतमप्रिष्य
 ति ॥ यास्मिन्विषयः ॥ ॥ यं सर्वगथागनाक्रीषसिनाकपुगनामापनाजिता. महाप्रतिभिनामेहाविशा
 नास्तीप्रवयीष्यति. धनयीष्यति. वाचयीष्यति ॥ महोत्तमव्यगनस्मिन्विषयकालनकारं. द्वावर्षधना
 मोत्सुकमापत्यति ॥ नयथा ॥ ॥ अनंतागनाजा. वासुकिनागनाजा. नरकनागनाजा. कर्कटक

॥पणिं॥

॥यनन्दतिष्ठिस्म॥

॥यानास्तीपनि समपं॥

॥वादिमहाभुमनं॥

॥या० सफमि॥

॥हलिमिर्नं॥

॥आर्य्यसर्वगथगनकृष्टिसिनागपशनामापत्राजितामहाप्रयंगिनामहावि

॥ॐ॥यधममाहं दुप्रलावाहं दुगमां गथगन हवरु नषां चयानिनुध एव

॥गुरुमंगलं रुवं दु सर्वदाकाने गुरुं॥

॥गनिश्चनवान् धदिनषूनं धधननिपुष्टक सिधयानादिनशला॥

॥जवावाहनयावर्जाचार्य्य विश्वत्रलं धपुष्टकवायाशला सुनानं लाह पापयायमशला॥

॥सम्बन्ध०॥मि आधुनेकस्त

॥ॐ॥

४०

॥ॐ॥